



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुखार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैरेस ऑफिस	४. ११.२३	१२	३-६

— **टीम ने शोध कार्यों व सुविधाओं को स्थापित किया**
हक्किंग में कपास अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा

- भारिया में भी इसी तरह निरंतर छह्ये कर फिसानी को सुशाहल बनाने का प्रयत्न नहीं जारी करवाया

हारिजनि ब्यूरो एडिसाइट
प्रारंभी कृषि अनुसंधान परिषद की
चालाखिक समीक्षा टीम
(कवूआरटी) ने बोधरी चरण मिश्न
रियाणा कृषि विभागितालय के
लिए महाराष्ट्रालय के अंतर्गत
ठपस अनुभाग का दैरा किया और
हाँ जारी अनुसंधानों की समीक्षा
की। बमतराव नायक मराठवाडा
लिए विद्यार्थी, परबन्हे के पूर्व
कृतपति डॉ. चौकेटेस्वर्लू का
प्रश्नालयता में अर्ड इस टीम में सिरसा
सीआईसीआर के मुखिया डॉ.
कृषि, यूएस धारवाड के पूर्व
अनुसंधान निदेशक डॉ. श्रीकांत
प्रसपटिल, नहीं दिल्ली के
गन्नआळपोबो में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ.
एसआर भट्ट, डॉ. डब्ल्यूआर
जगलपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एनटी
यदुगण, एनबीएआईआर बैंगलुरु
के पूर्व निदेशक डॉ. विद्यु



हितार। हक्किं के कृत्यपति थे, गीआर काम्पोज से शातचीत करते फैद्यारिक समीक्षा टीम में नामस्थ। फोटो: विनेश

गिरीधरा के बाट कलापति से किए विचार साझा।

टीम के विश्वविद्यालय के कुलपति पा. बीआर टाम्बोज ने मुकाफात तक उन्ने उपरोक्त नियमों के बड़े ने अब विवर लाता किए। पर्याप्तिक उम्मीद टीम का बेहतु कर रहे हैं वा विद्यालय के कानून अनुसार की होए ताकि वे उनके लिए उपचार करवाई जा रही मुख्यमंत्री की प्राप्ति की और हमें वह अपना के साथ विभिन्न स्थानों ने उपचार करवाई जा ही रुकौला जो से उपचार करता है। जिस पर कुलपति के विभिन्न टीम ने सभीन्द्र विवर संस्थाओं का अपकार जाता है। यह ही मुख्यमंत्री ने टीम की अपवास किया कि कियाको की खुशबूझों के लिए हम इन प्रकार विस्तर प्रस्तुति करेंगे ताकि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे विवर का लाता व विवर हरियाणा अंग्रेज ग्राम देश के विषय के मिल सके। कुलपति वे कहुआरती टीम ने नवद्वारा को बहु दब स्थूल विभिन्न घटक उपलब्धिता किया। अंत में

आरबलाल, सिरसो के मीआईसीआर के पूर्व मुख्या डॉ. डी. मोहन, सीआईआरसीआईटी

मुंबई के पूर्व निदेशक डॉ. जे शेख, मोठाडंसीआर नागपुर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. के बोन्होरीगांव,

परीक्षणों का किया त्रिवलीमन

क्षमतापूर्ण लैंस के कारण उद्योगी ने
उपरी ओरा छोड़ी परस्त उत्तराखण्ड
फक्त उसका दूर पर्वत चूना के
उत्तरी लंबाएँ जब दर्रोंमें का
उत्तराखण्ड लिया जाता कामया
ज्ञानवान् के वैज्ञानिकों के उपरे
अपनी क्षमता का विस्तृत बोगा दैरा का
लिया जाता है कृषि विज्ञानात भी
अधिकारिता ठैल, विज्ञान विषय
ज्ञानवान् के प्राप्ती की कामन मिली,
हाँ लियागल धूम- व लिक्की
मजाकिसा है अलाल कुमार की
हाँ सोमटीर व वर्षीय तुमार वृ
लियाकी उत्तरा तो अंगन व का
कुमार लाल अरिया रहे वे
क्षुआरी लैंस की जले वह एक
वैज्ञानिक लैंस व अशोक को लिया
तेज़ वी व योगदानों से उत्तरा
प्रसुतिया थी। हम गोंया पर काम
अवधार के उत्तर उत्तरित
वैज्ञानिक हो एकान्त लौहन व भी
साधन अवधार ही बोतुर रहे।

सीआईसीआर कोवांबटोर वे
प्रमुख वैज्ञानिक डॉ एसग्निकक
डामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम पंजाब सरी	दिनांक ४-११-२३	पृष्ठ संख्या ५	कॉलम १-३
---------------------------------	-------------------	-------------------	-------------



हक्किं के कुलपति प्रो. डी.आर. काम्बोज से बातचीत करते पंचवार्षिक समीक्षा टीम के लदस्य।

हकूमि में कपास अनुसंधानों की
क्यू.आर.टी. टीम ने की समीक्षा

हिस्सा, ७ नवम्बर (न्यूरो):
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की
एवं व्यापक समीक्षा ट्रॉप (कृषि आर.टी.)
ने शोधीय चरण मिह हरिताणा कृषि
विद्यालयालय के कृषि महाविद्यालय
के जंतरंगत क्षमता अनुभाव का दीया
किया और यांत्रिकी अनुसंधानों की
समीक्षा की। इस दैशान वसंतालय क्षमता
मणिकाढ़ कृषि विद्यालयों, परबन्नों के
पूर्व क्षमतापात्र डॉ. गीतेंगांटवल का
अध्यक्षता में आई। इस ट्रॉप में सिरसा
ये गीतेंगांटवल के सुचिया डॉ.
ज्ञान, गुणपाल, भारताङ्क के पूर्व
अनुसंधान निदेशक डॉ. श्रीकृत
एवं पाठिल, नई दिल्ली के
एन.आई.पी.यो. में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ.
एस.आर. भट्ट सहित अन्य वैज्ञानिक

शामिल रहे।
क्यूं आर.टी.टीम ने काशीस अनुभाग
के सभी शोध क्षेत्रों पर सलत ढरपाएँ,
फलस्वरूप जारी करने वाले सुधार के
अंतर्गत लगाए गए परिकल्पनाएँ का
अपनाने करने किया। जहाँ कपास अनुभाग
के विभागिकों ने अपने-अपने शोध का
विस्तृत व्यौद्धा टीम को दिया। उन्होंने
कृषि महाविद्यालय में जागोजित
बैठक, विस्तृमें कपास अनुभाग के प्रभागों
ही, कर्मल मणिलक, हाँ. शिवराज पुंडीर,
हाँ. शिवानी मानवशिनिया, हाँ. अनिल
कुमार शैनी, हाँ. लोमशीर, हाँ. संदीप
कुमार, हाँ. मिनाली जाटान, हाँ. अनिल
द डॉ. शुभम लोन्वा ने क्यूं आर.टी.टीम
को अभी तक हुए वैज्ञानिक कार्यों व
भौतिक्य के लिए तैयार की गई योजनाओं

से संबंधित प्रस्तुतियां दी। इस भौके पर कपास अनुभाव के वरिएट सेशन में विज्ञानिक डॉ. एम.एस. चौहान वडा, आज, एस. संगवान भी भीड़ रहे।

क्षम् आर.टी टीम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. आर. काम्बोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में अपने विचार समझा किए। कुलपति ने टीम को आश्वस्त किया कि फिल्मों को बृहाहास्ती के लिए हम इसी प्रकार निरंतर प्रयत्नों लेंगे, ताकि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे गोष्ठी का साभ न केवल हरियाणा, अपितु संपूर्ण देश व विश्व योग्य मिल सके। इस अवसर पर कुलपति ने क्षम् आर.टी. टीम के सदस्यों को सौलं एवं समृद्धि चिन्ह देकर सम्मानित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अभियुक्त जागरा’	४- ११.२३	२	५४

एचएयू में कपास अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कांदोज के समक्ष वैज्ञानिकों ने भविष्य के लिए की गई योजनाएं प्रस्तुत की गई मिटी रिपोर्ट

हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की वैश्वानिक अनुसंधान टीम (क्यूआरटी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक नहाविद्यालय के अध्यक्ष कपास अनुभाग का दैय किया। क्यूआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सभी शोध बैंडों कार्यालय डिवाइस, एकान्त सुरक्षा एवं काल सुधार के अन्तर्गत लगाए गए वर्तमानों का आवलोकन किया।

कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने ब्रांस-ब्रेक्स अंगठ का विस्तृत व्योहरण टीम को दिया। क्यूआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीबार



एचएयू में कुलपति प्रो. बीबार कांदोज से वायनायिक वर्तमान समीक्षा टीम के संवाद। तस्वीर

कांदोज से मुलाकात कार बनाये रखने के लिए वैज्ञानिकों ने भविष्य के लिए लैंगर को गई निरीक्षण के बारे में अपने विद्यार माझा योजनाओं से सम्बोधन प्रस्तुतियां दी। लैंगर अनुभाग के प्रभारी डॉ. इम सौकं पर कपास अनुभाग के कर्मचार विज्ञानिकों से विस्तृत वैज्ञानिक डॉ. एमएम

चौहान, डॉ. जारएस शाक्कान, वसंतराम नायक, पाण्डिताहा कृषि विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड के पूर्व कुलपति डॉ. बीबी वैकटेश्वराम् की अध्यक्षता में आये टीम ने मिरसा के सीवाईसीआर के मुख्यमन्त्री डॉ. चौधरी, गृहरस साराहन के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. बीबार, एम पाटेल, नई दिल्ली के एसआईपीसी में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एमजल भट्ट, डॉ. बलद्वार लच्छपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एवरी बट्राव, एनओएआईआर बंगलूर के पूर्व निदेशक डॉ. चौधरी आर बाल्लाल, मिरसा के हाई ही मीमा, डॉ. जे शंख, डॉ. के वैनोरिगन, डॉ. एम वैनकाम शामिल रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम <u>उडीह समाज</u>	दिनांक ४.१०.२३	पृष्ठ संख्या ५	कॉलम १-५
--	-------------------	-------------------	-------------

हक्किं में कपास अनुसंधानों की क्युआरटी टीम ने की समीक्षा, शोध कार्यों व सुविधाओं को सराहा

हिंसा, 7 नवम्बर (लिंगेन्द्र वर्मा); भारतीय कृषि अनुभाग परिषद की पंचवार्षिक समीक्षा ट्रैम (कप्याजारी) ने औरंगाबाद चरण, सिंह हासियाला कृषि विधिविवादीत के कृषि मठाविधायक के उत्तरांग जगत अनुभाग का दीपा लिया और यह जगत अनुभागों को समीक्षा की। बस्तीसाहन नामक विवादात्मक उपि-विशेषांत, प्रकृति के पूर्व कुसानी डॉ. बा. लेकटरेकर्ल की अध्यक्षता में आई इस टीम में सिस्ता के सी.आई.सी.ओ.आर. के मुखिया डॉ. जैवि, यू.एस. थार्कार्ड के पूर्व अनुभाग निदेशक डॉ. लोकांशु प्रसाद पालिल, नई दिल्ली के एन.आई.टी.जी. में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस.आर. भज, डॉ. जललुल्लाह आर. बाबलपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एन.टी.यु.पाल, एन.बी.ए. आई.आर. बोगलपुर के पूर्व निदेशक डॉ. लक्ष्मण अम.बल्लाल, सिस्ता के सी.आई.सी.ओ.आर. के पूर्व मुखिया डॉ. डी.मोगा, सी.आई.आर. सी.ओ.टी. मूर्खी के पूर्व निदेशक डॉ. वे.सोन, सी.आई.सी.आर. नगरपाल के प्रमुख



हक्केवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज से बातचीत करते हुए पंचायार्थिक समीक्षा टीम के सदस्य।

वैज्ञानिक डॉ. क. वेल्पोरेटागाने, सी. अर्द्द सो. अग्र. कोम्पनीटर के प्रभाव वैज्ञानिक डॉ. एम. फिनिक्स लाम्बिन द्वारा कुछ अग्रणी टीम ने कायास अनुभाग का अधिक शोध किया। कल्पना उपायक, अमरा मुख्य एवं फसल मुख्य के अंतर्गत लगाए गए परिकल्पनों का अवलोकन किया। जहां कायास अनुभाग वैज्ञानिकों ने अपने अपने शोध का विस्तृत जीर्ण टीम को दिया, उन्होंने कुछ महाविद्यालय में अवैज्ञानिक वैठक विस्तृप्त कायास अनुभाग के प्रभाव द्वा-

कमेल यश्विनी, डॉ. शिवचंद्र पुरुष, डॉ. शिवानो मानवनिया, डॉ. अनिल कुमार सेठी, डॉ. चोभवेंद्र, डॉ. गंदीप कुमार, डॉ. मिशाल जाटान, डॉ. अनिल च. रुद्धि रामल हाथि द्वयितव रहे ने बधुआटी टीम को अपनी तक लूट देनारीक कार्यों व परियों के लिए लैसाह की गई दोनोंओं से बर्वीता प्रस्तुतियाँ दी। इस भौके पर कामास अनुभाग के वर्षाणु सेवानियुक्त देनारीक डॉ. एम.एम. चौहान व डॉ. आराम सांगान भी दीवृद रहे। बधुआटी टीम ने का आचार लगाया। साथ ही कुलपति न टीम को आश्वस्त किया कि किसानों की बुझाउती के लिए हम इसी उत्तर नियंत्र प्रबन्धनीय रूपों ताकि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे गोष का लाभ न केवल हस्तियां अभिष्ट संरक्षण देख विष्व को बिला सके। इस अवसरा पर कुनौपी ने बधुआटी टीम के सदस्यों के शौलि एवं स्मृति चिन्ह देका सम्मानित किया। अंत में कामास अनुभाग के प्रभारी डॉ. कर्नल यश्विनी ने समीक्षा टीम का फैनवाद किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुमित्रार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नैन के भास्कर	४. १०.२३	३	६

एचएयू में कपास अनुसंधानों की व्यूआरटी टीम ने की समीक्षा



हिसार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवार्षिक मध्यिका टीम क्षेत्रिकी ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अलंकृत कपास अनुभाग का दैरा किया और यहाँ आरो अनुसंधानों की समीक्षा की। वर्षभाव नायक मराठवाडा कृषि विद्यालय, परबरी के पूर्व कुलपति डॉ. वी. वैकल्पर्य को अध्यक्षता में टीम आई।

व्यूआरटी टीम ने कपास अनुभाग के सभी शाखा शोध सेनां कल्पन उत्पादन, कल्पन सुरक्षा एवं कल्पन सुधार के अलंकृत लगात धरीकरण वा अद्वलीकन किया। जहाँ कपास अनुभाग के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का व्यौद्ध टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में हुई बैठक में भाग लिया। इसमें कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. कर्मेत मित्रक, डॉ. शिवराज पंडीर, डॉ. शिवानी मानवनिया, डॉ. अनिल कुमार सेना, डॉ. सोमेश्वर, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. मिनाली जाटान, डॉ. अनिल व डॉ. शुभम लंबा उपस्थित रहे। उन्होंने व्यूआरटी टीम को अक्षी तक शुरू वैज्ञानिक कार्यों व भौतिक के लिए तैयार की गई योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतियाँ दी। उपर्युक्त पर कपास अनुभाग के वरिष्ठ सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. परमेश चौहान व डॉ. आरेम सांगवान भी शैरूद रहे। व्यूआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. वीआर काम्बोज से मूलांकन कर उनसे उपरोक्त नियोजन के बारे में विचार सुनाया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुमित्रार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दू. १५ जून २०१२	४-११०२३	५	१-५

एचएयू के शोध कार्यों और सुविधाओं की सरहाना की

जागरण समाजदाता, हिसार: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवर्षिक समीक्षा टीम (क्यूआरटी) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कायदस अनुभाग का दैर्घ्य किया और यहां जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। वसंतराव नवकर पराठवाड़ा कृषि विद्यालय परबर्ती के पूर्व कुलपति डा. बी. वेकटेस्वरूप की अव्याख्या में टीम गहुची। इसमें सिरका के सीआइसीआर के पूर्विका डा. ज्योति चौधरी भारवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डा. श्रीकांत एस. पाटिल, नई दिल्ली के एनआईपीवी में प्रमुख वैज्ञानिक डा. एसडीप भट्ट, डीएसयूआर जबलपुर के पूर्व निदेशक डा. एनी पटुराज, एनबीएआरआर बैंगलुरु के पूर्व निदेशक डा. चौधरी आर बल्लाल, सिरका के सीआइसीआर के पूर्व यूनिवर्सिटी डा. योगा, सीआइआरसीआरटी मुख्य के पूर्व

- हवाली में कायदस अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा



तुवांस में प्रशिक्षण कार्यक्रम को समीक्षित करते हुए कुलपति लुद्दास प्लॉ. विनोद कुमार द्वारा।

विवरण

निदेशक डा. जे. शेख, सीआइसीआर नागपुर के प्रमुख वैज्ञानिक डा. केलनीरीगाने, सीआइसीआर बैंगलुरु के प्रमुख वैज्ञानिक डा. एस. मनमुक्मल गामिल रहे।

क्यूआरटी टीम ने कायदस अनुभाग के सभी शोध क्षेत्रों परस्ती डापादन, फसल सुखा एवं फसल सुखर

- वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत ज्योरा टीम को दिया।

के अंतर्गत लगाए गए परीक्षणों का अवलोकन किया। वैज्ञानिक डा. आरेजित वेठक, जिसमें कायदस अनुभाग के इधर आधारी डा. कमल मलिक, डा. रित्विक शुक्ल, डा.

विवानी मानवानिया, डा. अनिल कुमार सैनी, डा. सोमवीर, डा. संदीप कुमार, डा. मिनकी जाटान, डा. अनिल व डा. मुख्यम लंबा उपस्थित हो। विज्ञानिकों ने टीम को अपनी लकड़ी पूरे वैज्ञानिक कार्यों व भौतिक के लिए तैयार की गई योजनाओं से संबंधित प्रस्तुतियाँ दी। इस भौतिक पर कायदस अनुभाग के विविध सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डा. एमएस. चौहान व डा. आरएस. सोनवान भी मौजूद रहे।

क्यूआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्री. बीबीआर कामबोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में डापने विचार साझा किए। पंचवर्षिक समीक्षा टीम का नेतृत्व कर रहे डा. बी. वेकटेस्वरूप ने कायदस अनुभाग के सभी शोध कार्यों पर उनके लिए उपलब्ध करवाए जा रही सुविधाओं की प्रशंसा की और इन्हे उत्तर भारत के सभी विश्वविद्यालयों में उपलब्ध करवाई जा ही सुविधाओं से संबंधित बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

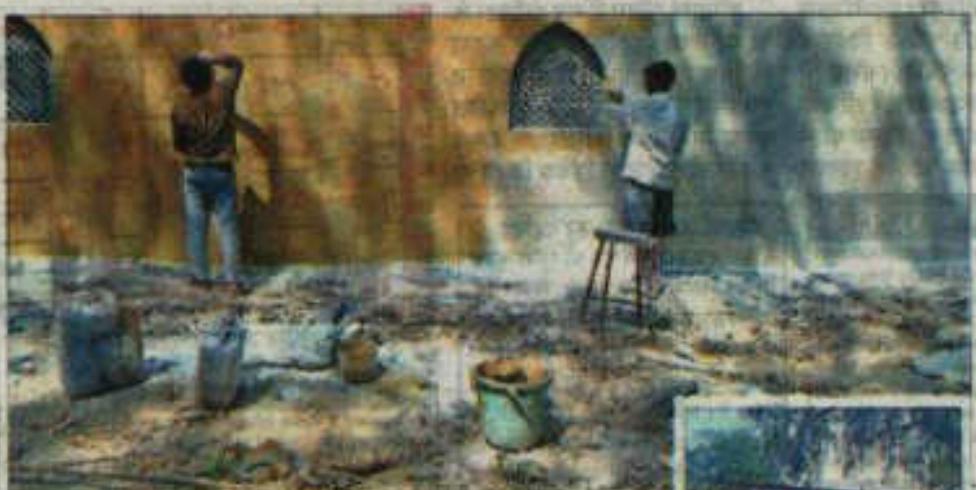
समाचार पत्र का नाम पंजाब खबरी	दिनांक ४. ११.२२	पृष्ठ संख्या ।	कॉलम २-५
----------------------------------	--------------------	-------------------	-------------

एग्री ट्रूरिज्म सेंटर को मिलेगा नया लुक, कृषि अनुसंधानों व प्रौद्योगिकियों को मिलेगा बढ़ावा

हिसार, ७ नवम्बर (न्यूज़): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री-ट्रूरिज्म सेंटर (कृषि पर्यटन केंद्र) को नवा लुक देकर आकर्षण का केन्द्र बनाया जा रहा है। यहाँ पर ३५० लोगों के बैठने वाली शामता बाला ओपन एयर थिएटर भी होगा, विसमय स्कूल व कालेज के विद्यार्थियों को कृषि से संबंधित जानकारियों मिलेंगी।

इसके अलावा पेंडों के साथ प्रकृति का नजारा लेने के लिए ट्रॉ-डाइस बन रहा है। साथ ही माझे एग्री-ट्रूरिज्म थीम पार्क बनाने का काम भी चल रहा है। इस थीम पार्क में हरियाणायी संस्कृति को प्रदर्शित किया जाएगा। इन सबके साथ इस कृषि पर्यटन केंद्र में एक नियमित वाटर फूल व सूचना केन्द्र का भी नियमित किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि पर्यटन के नए स्थानिकता कार्य गत्ता है, जिसमें बहिनीकल गाहौर, प्रोटीन उद्यान, विटामिन गाहौर, औषधीय उद्यान, एकाडिक पर्यटन गाहौर मध्यमिल हैं। इस केन्द्र को स्थानित करने का



कार्य करते कारीगर व (इनसेट में) एग्री-ट्रूरिज्म सेंटर का घंट।

“एग्री-ट्रूरिज्म सेंटर को स्थानित करने का मुख्य उद्देश्य उत्कृष्टतावाली व गैरिजिकलों को बढ़ावा देना और प्रशिक्षित की जाए रखने के लिए पर्यटक संरक्षण के प्रति अधिक से अधिक लोगों को आकर्षित करना है। तथा ही एग्री-इको पर्यटन के लेनदेन ऐकाइक मूल्यों के प्रति दृढ़ता वाली प्रोत्ता करना है। इसके अलावा रसूली व बर्निंग के विवरणों को विवरित करने के लिए जल्दी का भी अवसर प्रियोग।

मुख्य उद्देश्य कृषि अनुसंधानों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना और प्रकृति को स्वच्छ रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक

से अधिक लोगों को जागरूक करना है।

साथ ही एग्री-इको पर्यटन से लेकर ऐकाइक मूल्यों के प्रतिदृश्यों



को प्रेरित करना भी है। बैच-विविधता वाले लगभग ५५० पीछों की प्रजातियां यहाँ देखी जा सकती हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाजिक पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टि	८. ११. २३	७	१-४

युवाओं की कृषि क्षेत्र में रुचि बढ़ाने के लिए हक्कुवि में बन रहा एग्री-टूरिज्म सेंटर

卷之三

जैसे वास्तव प्राचीन हैं मूर्ख सेना में कर्ण व भद्रोहे के लिए विश्वामित्र मूर्ख विश्वामित्र ने एक-द्वितीय सेना (द्वितीय विनांक बट्टा) कामा ना दिया है। उसके अन्दर सेना में अनेक लोगों को द्वितीय के समान वापर किया गया है जिससे विश्वामित्र जल्दी उड़ाने को गुणवत्ता विश्वामित्र की लाजी वापरने वाले एक-द्वितीय सेना में नम-पर अधिकम विश्वामित्र लिए गए हैं, जिससे एक-द्वितीय सेना की, उड़ान नहीं, लाजने वाली फिर बढ़ाती, और साथ ही, जैसे वास्तविक लिए गए विश्वामित्र विश्वामित्र का लाजने वाला विश्वामित्र बन जाता है।

**हरियाणी भाषा के गायकों
हरियाणा भाषा कुड़ा और**



जैव-विविधता को दिल्ली 550 प्रीमियम प्राप्तिया

Thereupon you split up the water there was a flood.
Afterwards there was famine, therefore went Abraham
wandered west until when he saw the lot water went up his
spouse wife Sarah was dead so he buried her upon the spot of
death and he left Egypt and went to Canaan and he
dwelt in Beersheba and he built an altar there and he
offered up his son Isaac as a sacrifice though the stars were there.
Thereupon it was the belief that all creation was made there and
the Hebrews when journeying eastward as they went through the
desert said that it is Moses' project not without an end or reason to
say the Hebrews when journeying eastward as they went through the
desert said that it is Moses' project not without an end or reason to

प्राचीन शब्दों का अर्थ तभी बदल जाएगा जब वे अपनी वास्तविकता का अनुकूल हो जाएं। यह अपेक्षा अधिक समय लेगा। इसके लिए आपको अपनी वास्तविकता का अनुकूल होने वाली विधि अपने द्वारा नियन्त्रित करनी चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार कृषि अनुसंधान एवं विकास समिति	07.11.2023	--	--



हिसार कृषि अनुसंधानों की क्यूआरटी टीम ने की समीक्षा, शोध कार्यों को सराहा

16 नवंबर 2023



कुलपति प्रो. दीप्ति कम्बोज ने टीम को किया अभ्यन्तरीन भविष्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य कर किसानों को खुशहाल बनाने का प्रयास रहेगा जारी

हिसार, 7 नवंबर (हि.स.) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचवर्षीक समीक्षा टीम (क्यूआरटी) ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान विभाग और यहाँ जारी अनुसंधानों की समीक्षा की।

विभाग के निदेशक डॉ. शशीकला शर्मा की शुरुआती विश्वासी विभाग के पूर्ण कुलपति डॉ. दीप्ति कम्बोज की अध्यक्षता में आई इस टीम में सिरसा के सीआईसीआर के मुद्रिका डॉ. लक्ष्मि, पूर्वस धारवाड़ के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. श्रीकांत एस. पाटिल, नई डिल्सी के एनआईपीवी में प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एसआर भट्ट, हीठबलपुर के पूर्व निदेशक डॉ. एनटी. पवूराबू, सीआईसीआर नागपुर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. के. विश्वासीगांव, सीआईसीआर कोयम्बटूर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. एस. मनिकमल शामिल रहे।

क्यूआरटी टीम ने कृषि अनुसंधान के सभी शोध क्षेत्रों फसल उत्पादन, फसल सूक्ष्मा एवं फसल सूधार के अंतर्गत तगड़ा गए परीक्षणों का अवलोकन किया, जहाँ कृषि अनुसंधान के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने शोध का विस्तृत व्यूह टीम को दिया। उन्होंने कृषि महाविद्यालय में आयोजित बैठक, जिसमें कृषि अनुसंधान के प्रभारी डॉ. कर्मल मतिक, डॉ. शिवराज पुंडीर, डॉ. विजयनी मानविकी, डॉ. अनिल कुमार सेनी, डॉ. भोगर्हीर, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. मिनाली जटल, डॉ. अनिल ठ. शुभम साङ्का उपस्थित रहे ने क्यूआरटी टीम को अभी तक हुए वैज्ञानिक कार्यों व भविष्य के लिए तैयार की गई पोउनाओं से संबंधित प्रस्तुतियाँ दी। ऐसे मौके पर कृषि अनुसंधान के विभिन्न सेवानिवृत वैज्ञानिक डॉ. एमएस चौहान डॉ. असदस चांगवान भी मौजूद रहे।

क्यूआरटी टीम ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीप्ति कम्बोज से मुलाकात कर उनसे उपरोक्त निरीक्षण के बारे में अपने विचार साझा किए। पंचवर्षीक समीक्षा टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. दीप्ति कम्बोज ने कृषि अनुसंधान के सभी शोध कार्यों व उनके लिए उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की प्रशंसा की और इन्हें उत्तर भारत के सभी शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध करवाई जा ही सुविधाओं से सर्वोत्तम बनाया। इस अवसर पर कुलपति ने क्यूआरटी टीम के गादरियों को शांत एवं भूमि विनु देकर सम्मानित किया। अंत में कृषि अनुसंधान के प्रभारी डॉ. कर्मल मतिक ने समीक्षा टीम का धन्यवाद किया।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्बन्धित पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सम्बन्धित पत्र का नाम रिपोर्ट पत्र	07.11.2023	--	--

सिटीपल्स

हिसार-आसपास

हकृति में कपास अनुसंधानों की व्युआरटी टीम ने की समीक्षा, शोध कार्यों व सुविधाओं की सराहना



प्राकृति की वैज्ञानिक से वा अन्यत्र व्युत्पत्ति के लक्षण।

अनुपात के प्रभावी रूप से अधिक, जैसा कि विवाह दर्शाते गया है, तो अधिक अनुपात मिलता है, जैसे योग्यता, तो अधिक अनुपात मिलता है।

अमृतगंगा के साथी उत्तराखण्ड के उत्तरके लिए उत्तराखण्ड कलार्थी जा गई मुख्यकांडों की प्रशंसा की और इन्हें उत्तराखण्ड के सभी विभिन्न संघरणों में उत्तराखण्ड कलार्थी जा ही मुख्यकांडों से सर्वानेक बाहर। फिर पर चुनावी ने विभिन्न दोनों में उत्तराखण्ड मध्यम सदस्यों का अपवाह जबाबा। सभी ही कलार्थी ने दोनों की अधारण किया कि विभानी की सुधारात्री के लिए इन दोनों प्रकार विभिन्न प्रयत्नों की ज़रूरि विभिन्नतापूर्वक द्वारा किया जा सकता है। यह विभिन्नता अवृत्ति साझी ही व विभिन्न योग्यता रखती है। इन अधारण की सुधारात्री ने चमुच्छार्थी दोनों के सदस्यों की सम्मतिनिधि किया। अतः ये वर्षामा अमृतगंगा के उत्तराखण्ड कार्यक्रम विभिन्न परम्पराओं की विभिन्न दोनों का भव्यप्रयत्न किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठ्य पत्र	07.11.2023	--	--

दैनिक पाठ्यकाप्तका, हिसार, मौलवार, 7 नवम्बर, 2023

कृषि उत्पादकों की वैल्यू एडिशन, बेहतर ब्रांडिंग व पैकेजिंग किसानों व कृषि उद्यमियों को देंगे अधिक लाभ : प्रो. बी. आर. काम्बोज

हक्कुदि में गेल ऑफ एक्सीबिजनेस इन सेल्फ रिलायंस ऑफ इंडिया विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शाभारंभ

पाठ्यकाप्तका न्यूज़

हिसार, 7 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की कार्डिनलिंग एवं पेनसेमेट सेल के द्वारा आईडीपी-नोहेप प्रोक्रेट के तहत गेल ऑफ एक्सीबिजनेस इन सेल्फ रिलायंस ऑफ इंडिया विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिमका विश्वविद्यालय के कुलकर्णी प्रै. बी.आर. काम्बोज ने उद्घाटन किया। इस दैवन छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अनुल दीगढ़ा भी मौजूद रहे।

मुख्यालिंग प्रै. बी.आर. काम्बोज ने संबोधित करते हुए कहा कि कृषि में भी गेलवार की अपार संभावनाएँ हैं, बस जल्दत ही तो किसानों व कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए उन्हें सध्यम बनाने चाहे। इसलिए विश्वविद्यालय को ओर से गरम-समय पर कृषि से संबोधित विभिन्न



विषयों पर प्रशिक्षण अवधीनित किए गए हैं ताकि इन प्रशिक्षण में भाग लेकर किसान व कृषि उद्यमी लासनीर पर नुक्की किसान नई जनकारियां, नक्काशों व प्रौद्योगिकियों से अपेक्षित हो सकें। मुख्यालिंग ने इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालय में नायाहै व आखेवीवाई के तहत स्थापित किए गए एवं विभिन्न इनक्यूबेशन सेटर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन सेटर द्वारा एवं विभिन्न कृषि उद्यमियों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए

सहायता प्रदान की जा रही है ताकि वे अपने क्षेत्रमय को अच्छे से स्थापित चर सकें और दूसरों को रोजगार प्रदान कर सकें। जनकारियां, नक्काशों व प्रौद्योगिकियों से अपेक्षित हो सकें। मुख्यालिंग ने इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालय में नायाहै व आखेवीवी के तहत स्थापित किए गए एवं विभिन्न इनक्यूबेशन सेटर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन सेटर द्वारा एवं विभिन्न कृषि उद्यमियों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए

उन्होंने कृषि को शहू का जलवायी गुरु करने के लिए इस प्रशिक्षण को अधिक बताया। प्रशिक्षण के दैवन नायिक के डॉ. मुने इंस्ट्रैट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज की निदेशक डॉ. प्रति कुलकर्णी ने कहा कि कृषि विषय के विद्यार्थी किसानों के साथ जु़ूकर पार्क-प्रोड्यूसर समूह बनाकर उन्हें अधिक लाभ दिला सकते हैं तथा उनका यह प्रसार राष्ट्रीय पुनः निर्माण में अत्यंत महान् स्वामित होगा।

इस अवसर पर यह छात्र कल्याण निदेशक (कार्डिनलिंग एवं पेनसेमेट) डॉ. सुबोध अध्यात्म ने भविष्य में भी इस तरह की कार्यशालाओं के आयोजन से विद्यार्थियों का उत्तर्वर्धन करने के लिए आश्वासन दिया। डॉ. अमिता गिरधर ने घनकाढ़ प्रसार चारित किया। इस दैवन सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. सुरेश लेगा, मौदिया एड्युकेशन डॉ. संदीप आर्य व डॉ. मुमन गहलात भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समाकृत दैरेया	07.11.2023	--	--

मंगलवार, 7 नवंबर, 2023 | हिंसा

2

हक्कूपि में कपास अनुसंधानों की क्युआरटी टीम ने की समीक्षा, शोध कार्यों व सुविधाओं को सराहा कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने टीम को किया आश्वस्त कि भविष्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य कर किसानों को खुशहाल बनाने का प्रयास रहेगा जारी

प्राचीन ग्रन्थालय न्यूज़ीलैंड

दिग्भार, ३ वर्षांपत्र, पालायिं कुपि
नमुक्तवान् परिपत्र एवं प्रेक्षणायिं प्रायोक्ता
त्रिम (क्षमावाही) ते जीवसी तात्त्वं तित्र
तित्रयां कुपि विद्यावाचारं के सुपि
प्रायिंविद्यायं के विशेषज्ञानं प्रायिंविद्यायं
का एता विद्या एवं पात्र जाती
मनुष्योऽपि वी मनुष्योऽपि वी। नमुक्तवान्
नमुक्तवान्वाचारं कुपि विद्यावाचारं, प्रायोक्ती
के सुपि नमुक्तवान् ता एवं नमुक्तवान्वं की
अव्याप्ति में जाई इस द्वेषं न विद्याय के
वे, जाई ती, तर, के नमुक्तवान् तं विद्या,
तु ए, प्रात्, नमुक्तवान् के सुपि नमुक्तवान्
विद्याय ती विद्याय एवं नमुक्तवान्, जी
विद्याय के एवं जाई ती, जी में अनुप
विद्याय ती एवं तर, तर, ती, उच्च,
तर, नमुक्तवान् के सुपि विद्याय ती एवं
ती, उच्चाय, एवं, ती, ए, आट, तर,
नमुक्तवान् के सुपि विद्याय ती, जीविता
ज्ञानवाचारं, विद्याय के ती, जाई ती, जी, जाई
के सुपि नमुक्तवान् ती, जी, जी, जी, जी, जी,
जाई ती, जी, ती, उच्चाय के सुपि विद्याय





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्रका नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पात्र अ.जी	07.11.2023	--	--

हिसार

मंगलवार, 07 नवंबर 2023

भविष्य में भी इसी तरह निरंतर कार्य कर कि सानों को खुशहाल बनाने का प्रयास रहेगा जारी, कुलपति प्रौ. काम्बोज ने टीम को किया आशदरत हक्की में कपास अनुसंधानों की क्युआरटी टीम ने की समीक्षा, शोध कार्यों व सुविधाओं को सराहा

1000



दू. देसेन, गोप्यालीजा, जाप के प्रमुख वैज्ञानिक हैं। के वैज्ञानिक, गोप्यालीजा की विद्यार्थी के प्रमुख वैज्ञानिक हैं। एवं विद्यार्थी हैं।

१८ अक्टूबर किए, जहाँ बाबा अस्त्रांग
वैद्युतिक व अप्पे-जामी गोल का चिन्हां
बोने लिए गए थे। इन्हीं द्वारा घटनाकाल

卷之三

पिंडाते करन, हु. अस्ति व ई. सुधा
व इत्याहा रहे न स्वाक्षरते ईम वी अभी
हु विद्यार्थी नहै व विद्या के लिए
एक वी विद्यार्थी वी विद्या प्राप्तिर्वात
एक वी एक विद्या भवता के लिए
विद्यार्थी विद्यार्थी हु. एवं वी विद्या व
अत एक संविधान वी विद्या हो।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टुडे	07.11.2023	--	--

हकृति में कपास अनुसंधानों की व्युआरटी टीम ने
की समीक्षा, शोध कार्यों व सुविधाओं को सराहा

कृत्यकीरि दे. श्री. अर. काम्बोड़ा
बैटम द्वारा किया आहेत कि
भविष्यत में भी इसी तरुण विस्तर
कार्य वार किताबी द्वारा सुदृढ़ता
खड़वे द्वारा उत्तराणी गेली

विज्ञान & विज्ञान

भारतीय कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संगठन द्वारा (कृषीआरटी) ने चौथी तरण मिशन द्वारा कृषि विज्ञानशालाय के कृषि विज्ञानशालाय के अलावा काषाय अनुसंधान वर्ष द्वारा किया और यह जारी अनुसंधानों की समीक्षा की। वसान एवं वर्षायक माहात्म्यावाद कृषि विज्ञानशाला, पालवडी के पूर्व कुलाबडी डो. वी.कैम्पबेल्सन की अधीक्षण में यह एम.टीम. में विरास के सी.एस.जे.आर. के मुख्यवादी डॉ. फार्म, एम.एस. पालवडी के पूर्व अनुसंधान निदेशक हों। विज्ञान एम.एस.लैल, नव विज्ञान के एन.आई.पी.लैल में अनुसंधानकारी हों। एम.आर. घट. डॉ. इम्पन्न



प्राचीन काल से ही भी यह जगत्कोरु ने दक्षिण एशिया के प्राचीन लोकों द्वारा उपजागरूकी के लकड़ा

आर जक्कल
जो एकटी सभा
आर बैंगलुरु
चट्टाण आस च
सो आई सो ज
दो मेंगा, सो
मुंहव के पूर्व
सो आई सो ३०
वैनिक च
सो आई सो अ
प्रमाण वैनिक
शत्रुघ्नि रह

के पूर्व निदेशक
जू. पनस्पीद आई
पूर्व निदेशक डॉ
ललित, मिसामा के
के पूर्व मुख्यमंत्री
आ. आर.सी.ओ.टी.
दिलक डॉ जे.सेतु,
कामगार के प्रमुख
के बन्धनोंमध्ये,
बोम्बायटोर के
डॉ. इस बन्धनम
भूमध्यी टीम ने

इस सर्वे शोष खेले
फलस्त सुखा एवं
अंतिम तापार
अस्त्रविनाशन विषय,
प्रधान के वैद्यनाथ
शोष वा मिस्ट्रिय
हिमा। उन्हें बुध
आप्येति नेत्रक,
नभाक के प्रभारी हों
एवं विवाह युद्धी
वीर्य, हृ. अमित
सेम्बरी, हृ. संदीप

की वस्त्र है।
म सरकार उपरिकृत
देश में अपनी लक्ष्य
है कि भारत के
भूज जलवायी के
दो इस सेनेके पास
वारेट सेवानिवृत्त
एस. चैलेन व हॉ
पी बैंगड हो।
ने लिखा विवरण
की आर. काम्पोन
उत्तर उपरिकृत

निश्चिन के बारे में अपने विचार सुना निया। एवं वापरिक समझी टीम का नेतृत्व करते हुए वे चैकेटमैन ने काफ़स अनुभाव के लिये रात्रि काहरों व उत्तरों लिये उत्सवात्मक करवाई जा रही सुनिश्चित्रों की प्राप्ति की और इसे उत्तर प्राप्त करने विशेष समझने पर उत्सवात्मक करवाई जा रही सुनिश्चित्रों से संबंधित कथाया जिस पर उत्सवात्मक ने निश्चिन टीम में राहिल समाज सदस्यों का आधार बनाया। साथ ही कुलपती ने टीम को आवश्यक नियम दियियाने की सुझाविनी के रैप हम इसे प्रकार नियम प्रबोचनशील घोषित करकि विश्वविद्यालय द्वारा नियम जा रहा शोध कर लाभ न करने वालों का अपनी संख्या देखा व विषय को मिल सकें। इस अवसर पर कुलपती ने कुआटी टीम के सदस्यों को शांत एवं सभी दिन देकर सम्मानित किया। अतः मैं साक्ष अनुभाव के प्रभावसे हुए कमल चौक न संपूर्ण टीम का धन्यवाद निया।